आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 20.04.2024
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- लोकसभा चुनाव के पहले चरण में प्रदेश की सभी पांचों सीटों पर मतदान कल शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न, चुनाव आयोग के अनुसार इस बार राज्य में लगभग 56 प्रतिशत मतदान हुआ।
- राज्य में मतदान के बाद ईवीएम और वीवी पैट को स्ट्रांग रूम में त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुरक्षित रखा गया है।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वनाग्नि से प्रभावित जिलों में नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए।
- राज्यपाल गुरमीत सिंह ने उत्तराखंड की जैव विविधता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया है।

मतदान प्रदेश

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में प्रदेश की सभी पांचों सीटों पर मतदान कल शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। चुनाव आयोग के अनुसार इस बार राज्य में लगभग 56 प्रतिशत मतदान हुआ। अभी अंतिम आंकड़े आने बाकी हैं। पिछले लोकसभा चुनाव के मुकाबले इस चुनाव में मतदान प्रतिशत में गिरावट आई है। गौरतलब है कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में राज्य में 61 दशमलव 5 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। हालांकि इस बार चुनाव आयोग ने प्रदेश में 75 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य रखते हुए विभिन्न मतदाता जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए थे, लेकिन इसके बावजूद अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई। इस साल राज्य की हरिद्वार लोकसभा सीट पर सबसे अधिक, जबकि अल्मोड़ा संसदीय क्षेत्र में सबसे कम मतदान देखने को मिला। इस साल हरिद्वार सीट पर 62 दशमलव 3–6 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ, जबकि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में इस सीट पर 69 दशमलव 2–4 प्रतिशत मत डाले गए थे।

मताधिकार का प्रयोग करने में नैनीताल–उधमसिंह नगर संसदीय क्षेत्र के मतदाता दूसरे स्थान पर रहे। इस सीट पर 61 दशमलव 3–5 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो अंतिम लोकसभा में हुए चुनाव से करीब पांच प्रतिशत कम है। टिहरी लोकसभा सीट 52 दशमलव 2–7 प्रतिशत मतदान के साथ इस बार भी तीसरे स्थान पर है, जबकि गढवाल संसदीय क्षेत्र के मतदाता 50 दशमलव 8–4 फीसदी मत डालकर चौथे स्थान पर रहे। वहीं, अल्मोड़ा में महज 46 दशमलव 9–4 प्रतिशत मतदान हुआ। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी पुरुषोत्तम के अनुसार मत प्रतिशत में कमी आने का मुख्य कारण बढ़ती गर्मी और शादियों का सीजन है।

प्रत्याशी

मतदान संपन्न होने के साथ ही प्रदेश की पांचों लोकसभा सीटों से चुनाव लड़ रहे 55 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला भी ईवीएम में कैद हो गया है। इनमें हरिद्वार लोकसभा सीट से सबसे ज्यादा 14 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जबकि गढ़वाल से 13, टिहरी से 11, नैनीताल–ऊधमसिहं नगर से 10 और अल्मोड़ा लोकसभा संसदीय क्षेत्र से 7 उम्मीदवार मैदान में हैं। हालांकि अभी से ही प्रत्याशी अपनी–अपनी जीत का दावा कर रहे हैं, लेकिन आगामी 4 जून को मतगणना के बाद ही पता चल पाएगा कि इन सीटों पर कौन विजयी रहेगा?

ईवीएम वीवीपैट

प्रदेश के सभी जिलों में पोलिंग पार्टियां सकुशल मतदान कराने के बाद जिला मुख्यालय स्थित स्ट्रांग रूम में लौट आई हैं, जहां ईवीएम और  वीवी पैट को त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुरक्षित रखा गया है। इसी क्रम में बागेश्वर जिले की दोनों विधानसभाओं में सभी पोलिंग पार्टियां सकुशल मतदान कराने के बाद वापस बी.डी पांडेय डिग्री कॉलेज में बनाए गए स्ट्रांग रूम में पहुंच गई हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराधा पाल और राजनैतिक दलों की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम को सील कर दिया गया है। स्ट्रांग रूम की कड़ी सुरक्षा के लिए अर्द्धसैनिक बलों और पुलिस की तैनाती की गई है। साथ ही सीसीटीवी कैमरे से भी निगरानी की जा रही है। उत्तरकाशी के जिला मुख्यालय में राजकीय कीर्ति इंटर कॉलेज में जिले की तीनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए बनाए गए स्ट्रांग रूम और मतदान सामग्री संग्रह केन्द्र पर ईवीएम और चुनाव से जुड़ी अन्य सामग्रियां जमा कर दी गई हैं। पौड़ी गढ़वाल में राजकीय इंटर कॉलेज, पौड़ी को स्ट्रांग रूम बनाया गया है, जहां मतदान केन्द्रों से ईवीएम और वीवी पैट लाकर रखी गई हैं।

अल्मोड़ा जिले की 6 विधानसभाओं के सभी 9 सौ 20 पोलिंग बूथों से पहुंची ईवीएम मशीनों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच स्ट्रांग रूम में सील किया गया। आकाशवाणी से बातचीत में जिला निर्वाचन अधिकारी विनीत तोमर ने बताया कि स्ट्रांग रूम की त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

हरिद्वार के बी.एच.ई.एल स्थित केंद्रीय विद्यालय में स्ट्रांग रूम बनाया गया है, जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ईवीएम को रखा गया है। साथ ही 66 सीसीटीवी कैमरों के जरिए भी ईवीएम की निगरानी की जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने बताया कि प्रत्याशियों के प्रतिनिधि भी 4 जून तक स्ट्रांग रूम के बाहर बने कंट्रोल रूम में ईवीएम मशीनों की सुरक्षा की निगरानी कर सकेंगे।

राजधानी देहरादून, टिहरी, हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर सहित राज्य के अन्य जिलों में भी ईवीएम और अन्य मतदान सामग्रियों को स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रखा गया है।

वनाग्नि बैठक

प्रदेश में गर्मी बढ़ने के साथ ही पर्वतीय जिलों के जंगलों में आग लगने की घटनाएं सामने आने लगी हैं। जंगलों में आग की घटनाओं को रोकने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वनाग्नि से प्रभावित जिलों में जल्द ही नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दावानल की घटनाओं को रोकने के लिए बारिश पर ही निर्भर नहीं रहा जा सकता है, इसके लिए दीर्घकालीन योजना तैयार करने के साथ ही फील्ड पर उतरने की ज़रूरत है। श्री धामी ने जंगल में लगने वाली आग पर काबू पाने के लिए राजस्व पुलिस के साथ ही महिला मंगल दल, युवक मंगल दल, स्वयं सहायता समूहों और आपदा मित्रों का सहयोग लेने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

राज्यपाल

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने उत्तराखंड की जैव विविधता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया है। आज देहरादून स्थित राजभवन परिसर में बर्ड वॉचिंग के दौरान राज्यपाल ने कहा कि लोगों को इसके प्रति जागरूक करना होगा, ताकि देश–दुनिया को राज्य की जैव विविधता के बारे में पता चल सके। गौरतलब है कि जैव विविधता से भरपूर उत्तराखंड में कई ऐसे क्षेत्र भी हैं, जो बर्ड वॉचरों को हमेशा से ही प्रभावित करते हैं। प्रदेश में पक्षियों की विभिन्न प्रकार की प्रजातियां पायी जाती हैं। राजभवन देहरादून और उसके आस–पास के क्षेत्र में भी पक्षियों की लगभग 180 से अधिक प्रजातियां देखने को मिलती हैं।

## नए आपराधिक कानून

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी.वाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि हाल ही में अधिनियमित नए आपराधिक कानूनों का लागू होना स्पष्ट रुप से दर्शाता है कि देश बदल रहा है और आगे बढ़ रहा है। नई दिल्ली में आज एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के माध्यम से देश अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण परिवर्तन करने के लिए तैयार है। इस अवसर पर कानून और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि 21वीं सदी में नए आपराधिक कानूनों का लागू होना एक ऐतिहासिक कदम है।

## मौसम

प्रदेश के मैदानी हिस्सों में तापमान में बढ़ोतरी होने लगी है। राज्य में तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया जा रहा है। ऊधमसिंह नगर के पंतनगर में कल 38 दशमलव तीन डिग्री सेल्सियस सर्वाधिक तापमान दर्ज किया गया। हालांकि मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की कमी आने की उम्मीद है। विभाग ने सोमवार और मंगलवार को राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश का अनुमान जताया है, जिसके चलते गर्मी से राहत मिलने की आशा है।